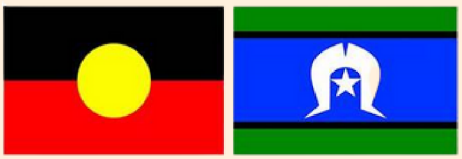

राष्ट्रीय माफी दिवस

13 फरवरी 2024

इतिहास:

प्रथम राष्ट्र (फर्स्ट नेशन) के लोगों की कहानी 60,000 वर्ष से अधिक पुरानी है। प्रथम राष्ट्र के लोग जानते थे कि वे कौन थे और वे कहाँ के रहने वाले थे। हालाँकि, कई पीढ़ियों के साथ हुए आघात के कारण यह संस्कृति बाधित हुई है और इसे नुकसान पहुँचा है जो आज भी जारी है।

इसलिए, यह आयोजन 13 फरवरी 2008 को पूर्व प्रधान मंत्री केविन रुड द्वारा प्रतिनिधि सभा में ऑस्ट्रेलिया के मूल लोगों से माफ़ी की सालगिरह का प्रतीक है, जिसमें पिछले कानूनों, नीतियों और प्रथाओं के लिए माफी मांगी गई थी, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रथम राष्ट्र के लोगों, विशेष रूप से चुराई गई पीढ़ियों (स्टोलेन जनरेशन) के सदस्यों पर प्रभाव डाला है। प्रस्ताव को विपक्ष का समर्थन प्राप्त था और यह संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ; ब्रेंडन नेल्सन (पूर्व विपक्ष के नेता) ने औपचारिक प्रतिक्रिया दी। स्टोलन जेनरेशन के कई सदस्य माफीनामा सुनने के लिए चैंबर में मौजूद थे और संसद भवन का ग्रेट हॉल हजारों लोगों से भर गया और वे इसे बड़ी स्क्रीन पर देखने के लिए लॉन में आ गए। माफीनामा को पूरे ऑस्ट्रेलिया में प्रसारित किया गया था।

स्टोलन जेनरेशन के लिए प्रधान मंत्री केविन रड द्वारा दिया गया माफ़ीनामा का लिखित रूप

मैं यह कहता हूँ:

आज हम इस भूमि के मूल निवासियों, मानव इतिहास की सबसे पुरानी सतत संस्कृतियों, का सम्मान करते हैं।

हम भूतकाल में उनके साथ हुए दुर्व्यवहार पर विचार करते हैं।

हम विशेष रूप से उन लोगों के साथ हुए दुर्व्यवहार पर विचार करते हैं जो स्टोलेन जनरेशनस थी - यह हमारे देश के इतिहास का कलंकित अध्याय है।

अब समय आ गया है कि राष्ट्र अतीत की गलतियों को सुधारकर ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में एक नया पन्ना लिखे और इस तरह भविष्य के लिए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े।

हम लगातार रूप से चली आती संसदों और सरकारों के कानूनों और नीतियों के लिए माफी मांगते हैं जिन्होंने हमारे साथी आस्ट्रेलियाई लोगों को गहरा दु:ख, पीड़ा और नुकसान पहुँचाया है।

हम विशेष रूप से आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर बच्चों को उनके परिवारों, उनके समुदायों और उनके देश से दूर करने के लिए क्षमा चाहते हैं।

इन स्टोलेन जनरेशनस की पीढ़ियों, उनके वंशजों और पीछे रह गए उनके परिवारों के दर्द, पीड़ा और घाव के लिए, हम क्षमा चाहते हैं।

परिवारों और समुदायों के टूटने के लिए हम माताओं और पिताओं, भाइयों और बहनों से क्षमा मांगते हैं।

और इस प्रकार एक गौरवान्वित लोगों और एक गौरवान्वित संस्कृति के हुए तिरस्कार और अपमान के लिए, हम क्षमा चाहते हैं।

हम ऑस्ट्रेलिया की संसद आदरपूर्वक अनुरोध करते हैं कि इस माफी को उसी भावना से स्वीकार किया जाए जिस भावना से इसे राष्ट्र के उद्धार के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

भविष्य के लिए हम विश्वास करते हैं; यह संकल्प करते हुए कि हमारे महान महाद्वीप के इतिहास में यह नया पृष्ठ अब लिखा जा सकता है।

हम आज अतीत को स्वीकार करके और सभी ऑस्ट्रेलियाई लोगों को गले लगाने वाले भविष्य का दावा करते हुए पहला कदम उठा रहे हैं।

एक ऐसा भविष्य जहाँ यह संसद संकल्प लेती है कि अतीत में हुए अन्याय कभी भी दोबारा नहीं होने चाहिए।

एक ऐसा भविष्य जहां हम स्वदेशी और गैर-स्वदेशी सभी आस्ट्रेलियाई लोगों के दृढ़ संकल्प पर नियंत्रण करेंगे, ताकि हमारे जीवन प्रत्याशा, शैक्षिक उपलब्धि और आर्थिक अवसर में बीच के अंतर को कम किया जा सके।

एक ऐसा भविष्य जहाँ हम उन चिरस्थायी समस्याओं के नए समाधान की संभावना को अपनाएंगे जहाँ पुराने दृष्टिकोण विफल हो गए हैं।

आपसी सम्मान, आपसी संकल्प और आपसी जिम्मेदारी पर आधारित एक भविष्य।

एक ऐसा भविष्य जहाँ सभी ऑस्ट्रेलियाई, चाहे उनका मूल कुछ भी हो, वास्तव में समान भागीदार हों, उनके पास समान अवसर हों और इस महान देश, ऑस्ट्रेलिया के इतिहास में अगले अध्याय को आकार देने में उनकी एक समान हिस्सेदारी हो।